संस्कृति विभाग, आउटकम बजट

(वर्ष 2018–19)

(आउट ले की धनराशि हजार ₹ में)

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
1.	**अनुदान संख्या–11** 2205–कला एवं संस्कृति–00–001– निदेशन तथा प्रशासन 03–सांस्कृतिक कार्य निदेशालय	संस्कृति विभाग से सम्बन्धित समस्त कार्यों के सम्पादन एवं नियंत्रण तथा विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु संस्कृति निदेशालय की स्थापना। प्रदेश की लुप्तप्रायः लोक संस्कृति के संवर्द्धन, संरक्षण एवं उन्नयन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।	66451	–	संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्द्धन	1–अधिष्ठान व्यय अधिकारी/ नियमित कर्मचारियों की संख्या–20 आऊटसोर्स–26 2–600 सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन	450 सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन	1 वर्ष	विभागीय योजनाओं का सफल संचालन एवं संस्कृति से जुड़े कलाकारों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार एवं संस्कृति का प्रचार–प्रसार	2 वर्ष
2.	04–कलाकार कल्याण कोष	लोक कलाकारों के कल्याण हेतु कोष की स्थापना।	7000		–	–	–	–	–	–
3.	05–धर्मस्व, तीर्थाटन प्रबन्धन एवं धार्मिक मेला अधिष्ठान	प्रदेश में स्थित विभिन्न धार्मिक स्थलों, तीर्थों के रख–रखाव एवं संचालन।	7640		–	पौराणिक, धार्मिक, तीर्थों, धरोहरों का रख–रखाव।	–	1 वर्ष	धार्मिक एवं पौराणिक तीर्थों के रख–रखाव से पर्यटन को बढ़ावा।	2
4.	101–ललित कला शिक्षा–03– भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय	भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संस्कृति के प्रति छात्र–छात्राओं में अभिरूचि बनाये रखने के उद्देश्य से भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय , अल्मोड़ा, देहरादून एवं पौड़ी की स्थापना।	28427		शास्त्रीय संगीत में विभिन्न विधाओं में मानक शिक्षा प्रदान करना।	1–कर्मचारी/ शिक्षकों का अधिष्ठान व्यय नियमित–29 आउटसोर्स–20 2–कुल 650 छात्र–छात्राओं को मानक शिक्षा प्रदान करना	625 छात्र–छात्रायें	6 वर्ष	शास्त्रीय संगीत से उत्कृष्ट कलाकार, संगीतज्ञ एवं शिक्षक तैयार किये जायेंगे।	8 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
5.	03–स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान	लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, लोक नाट्य, वेश–भूषा एवं ऐतिहासिक वस्तुओं के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन में अनवरत रूप से कार्यरत व्यक्तियों /गैर सरकारी संगठनों को आर्थिक अनुदान।	4000		–	40	30	1 वर्ष	कला का संरक्षण एवं संवर्द्धन	3 वर्ष
6.	04–स्व0 गो0ब0 पन्त लोक कला संस्थान	लोक कलाओं का क्रमबद्ध अध्ययन, विकास, शोध, संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन तथा भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से अल्मोड़ा में लोक कला संस्थान की स्थापना।	1712		–	अधिष्ठान व्यय– 02 कर्मचारी	–	1 वर्ष	लोक कलाओं को प्रकाश में लाना।	2 वर्ष
7.	06–साहित्यिक कला परिषद की स्थापना	साहित्य, संस्कृति, संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं सुनियोजित विकास हेतु देहरादून में संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना।	1500		–	01 कर्मचारी का अधिष्ठान व्यय	–	1 वर्ष	प्रदेश की समृद्धशाली कला एवं संस्कृति को अक्षुण्ण रखा जा सकेगा।	2 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
8.	08–रंगमण्डल स्थापना	विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने के उद्देश्य से देहरादून एवं अल्मोड़ा में रंगमण्डल की स्थापना।	2000		–	1–अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–3 2–नाट्य महोत्सव–01 कार्यशाला–3	05	1 वर्ष	अभिनय कला का कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षुओं को रोजगार परक बनाना।	2 वर्ष
9.	09–वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े कलाकार एवं लेखक जिन्होंने 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो तथा वृद्धावस्था एवं अस्वस्थता के कारण अपना जीवन यापन करने में असमर्थ हो गये हों, ऐसे वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों, लेखकों एवं साहित्यकारों को मासिक पेंशन का भुगतान।	5000		–	200 कलाकार/ लेखक	200	1 वर्ष	कलाकार/ लेखकों का भविष्य आर्थिक दृष्टि से सुरक्षित रहेगा।	2 वर्ष
10.	12–शहीद स्मारक	शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।	1000		–	3 शहीद स्मारकों का जीर्णोद्धार	03	1 वर्ष	जन सामान्य शहीदों के त्याग व बलिदान से परिचित होंगे।	2 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
11.	13–उदय शंकर नृत्य अकादमी का संचालन	भारत की विभिन्न लोक एवं शास्त्रीय नृत्यों पर आधारित अभिनय कला के नियमित प्रशिक्षण दिये जाने हेतु अल्मोड़ा में उदयशंकर नृत्य एवं संगीत अकादमी की स्थापना।	4000		–	अकादमी भवन का रख–रखाव एवं संचालन।	01	1 वर्ष	पं0 उदयशंकर की विशिष्ट शैली के अध्ययन/ प्रशिक्षण से भावी पीढ़ी लाभान्वित होगी।	2 वर्ष
12.	19–सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय	सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं जो आज भी जनमानस के नियंत्रण में हैं, ऐसे बहुमूल्य कलाकृतियों एवं पुरावशेषों को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से क्रय किया जाना।	3000		–	25 दुर्लभ एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय।	20	1 वर्ष	पुरासम्पदा के महत्व के बारे में आम जनमानस को जानकारी प्राप्त होगी।	3 वर्ष
13.	23–महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	देश एवं प्रदेश के महान विभूतियों के योगदान को भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों एवं गोष्ठियों का आयोजन।	1000		–	02 महान विभूतियां	02	1 वर्ष	महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से आम जनमानस प्रेरित होगा।	1 वर्ष
14.	25–कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति योजना	कनिष्ठ कलाकारों को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करने तथा वरिष्ठ कलाकारों को उनकी सृजनात्मक कृतियों के लिये छात्रवृत्ति एवं जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार दिया जाना।	1500		–	15	10	1 वर्ष	युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी।	3 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
15.	32–देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना	प्रदेश में साहित्य, संस्कृति, लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, नाट्य कला, शास्त्रीय संगीत तथा ललित कला के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन हेतु देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।	1000		–	4 कार्यशालायें	2	1 वर्ष	ललित कला एवं संगीत का प्रचार–प्रसार	2 वर्ष
16.	33– लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	आर्थिक रूप से विपन्न ऐसे लेखक, कवि एवं साहित्यकार जिनकी कृतियां धनाभाव के कारण प्रकाशित नहीं हो पाती हैं, उन्हें पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता।	1500		–	40 लेखक / साहित्यकार / कवि	40	1 वर्ष	संस्कृति के क्षेत्र में नई पीढ़ी को ज्ञान मिलेगा।	3 वर्ष
17.	34– धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता।	प्रदेश के ऐसे स्थायी निवासी जिनके द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण की जाती है, को रू0 25 हजार धनराशि आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर प्रोत्साहित करना।	350		–	30 स्थाई निवासी	30	1 वर्ष	धार्मिक यात्राओं के माध्यम से संस्कृति से रू–ब–रू एवं पर्यटन को बढ़ावा देना।	2 वर्ष
18.	35–मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता	मेला समितियों को संस्कृति के संरक्षण, संवर्द्धन एवं व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु प्रदेश के पौराणिक एवं ऐतिहासिक मेलों के आयोजनार्थ वित्तीय सहायता प्रदान करना है।	8000		–	60 मेला समितियां	50	1 वर्ष	मेलों के आयोजन से प्रदेश की लोक संस्कृति, रहन–सहन एवं रीति–रिवाज समृद्ध होगी।	2 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
19.	36–संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण	प्रदेश की लुप्तप्रायः संस्कृति तथा मूर्धन्य कलाकारों की कृतियों को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	2000		–	8 अभिलेखीकरण कार्य	8	1 वर्ष	भावी पीढ़ी लुप्तप्रायः संस्कृति तथा मूर्धन्य कलाकारों की कृतियों से प्रेरित होगी।	2 वर्ष
20.	37– स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन	गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों तथा धाराओं की पवित्रता, शुद्धता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अस्तित्व बनाये रखने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जनमानस की सहभागिता के लिये प्रेरित करना।	4000	–	–	–	–	–	–	–
21.	38–बद्री–केदार उत्सव	देश के चार प्रसिद्ध धामों यथा गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ एवं केदारनाथ धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को प्रदेश की गरिमामयी लोक संस्कृति से रू–ब–रू कराना।	2000		–	8 सांस्कृतिक कार्यक्रम	8	1वर्ष	प्रदेश के कलाकारों को रोजगार उपलब्ध होगा एवं संस्कृति का प्रचार–प्रसार	2 वर्ष
22.	39–हरेला महोत्सव का आयोजन	वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित किये जाने के लिये माह जुलाई में प्रत्येक वर्ष हरेला महोत्सव का आयोजन किया जाता है।	5000		–	13 जनपद	13 जनपद	1 वर्ष	जनमानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता	3 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
23.	40–राज्य स्तरीय लोक संगीत/लोक कला प्रतियोगिता का आयोजन	माह नवम्बर के प्रथम सप्ताह में राज्य स्तर पर लोक संगीत एवं लोक कला प्रतियोगिता का वृहद स्तर पर आयोजन जिसमें प्रदेश के खान–पान, लोक कला, वेश–भूषा, क्राफ्ट आदि का समावेश किया जाता है।	2000		–	प्रतियोगितायें	–	1 वर्ष	लोक संस्कृति से जुड़ी हुई समस्त विधाओं से आम जनमानस परिचित होंगे।	2 वर्ष
24.	41–प्रदेश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्द्धन	प्रदेश की लोक भाषाओं गढ़वाली–कुमाऊँनी भाषा के संरक्षण, संवर्द्धन, भाषा की लिपि आदि में शोध कार्य, पर्वतीय रामलीला, होली, जागर, रम्माण, पाण्डवाणी, लोक गाथायें इत्यादि का संरक्षण, संवर्द्धन एवं इस क्षेत्र में कार्यरत कलाकारों, लेखकों को आर्थिक सहायता/ छात्रवृत्ति दिया जाना।	3000		–	30	–	1 वर्ष	प्रदेश की लोक भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन।	3 वर्ष
25.	42–चैतुला फण्ड/चैतुला उत्सव का आयोजन	चैत्र माह के एक गते संक्रांति के दिन से सम्पूर्ण चैत्र मास में चैतुल/फुलदेई उत्सव का आयोजन तथा फुलदेई प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की धनराशि प्रदान करना।	5000		–	5 कार्यक्रम/ प्रतियोगितायें	–	1 वर्ष	भावी पीढ़ी को लुप्त हो रहे त्योहारों से रू–ब–रू कराना।	2 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
26.	43–राज्योत्सव (राज्य स्तरीय लोक संगीत/ लोक कला प्रतियोगिता का आयोजन)	राज्य गठन के अवसर पर माह नवम्बर के प्रथम सप्ताह में प्रदेश में राज्योत्सव मनाया जाता है।	5000		–	4 सांस्कृतिक कार्यक्रम/ प्रतियोगितायें	–	1 वर्ष	लोक संस्कृति से जुड़ी हुई समस्त विधाओं से आम जनमानस को परिचित कराना।	1 वर्ष
27.	44–हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र देहरादून का वार्षिक रख–रखाव	गढ़ी कैंट, देहरादून में हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में राज्य स्तरीय संग्रहालय तथा ऑडिटोरियम के अतिरिक्त इसमें पुस्तकालय, नाट्यशाला, एक वृहद कान्फ्रेंस हॉल, वाह्य एवं आन्तरिक कला दीर्घायें, ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।	4000		–	वार्षिक रख–रखाव।	–	1 वर्ष	देश–विदेश से पधारने वाले पर्यटकों, शोधार्थियों एवं जन सामान्य को पुरा सम्पदा के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु।	2 वर्ष
28.	45–विशिष्ट शैली/वास्तुकला में निर्मित भवनों का संरक्षण एवं संवर्द्धन	प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषतः– रवांई, बड़कोट जनपद उत्तरकाशी आदि में विशिष्ट पर्वतीय शैली तथा विशेष वास्तु कला के लगभग 200 वर्ष से भी पूर्व के भवन निर्मित हैं। अनुपम बेजोड़ शैली में निर्मित ये भवन हमारी धरोहर हैं, जो कि वर्तमान में जर्जर स्थिति में हैं। इस प्रकार के भवनों का जीर्णोद्धार कर संरक्षित तथा प्रतिस्थापित किया जाना।	2000		–	4	–	1 वर्ष	पर्वतीय शैली तथा विशेष वास्तुकला के भवनों का संरक्षण।	3 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
29.	46–उत्तराखण्डी बोली भाषा संस्थान	उत्तराखण्ड में प्रचलित तथा बोली जाने वाली गढ़वाली–कुमाऊँनी , जौनसारी आदि लोक भाषाओं में शोध कार्य, लेखन, उन्नयन, साहित्य के संरक्षण, पोषण, संवर्द्धन, भाषा की लिपि आदि तथा लोक भाषाओं के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, लेखकों/ साहित्यकारों को प्रोत्साहित किये जाने हेतु बोली भाषा संस्थान की स्थापना।	1		–	01	–	1 वर्ष	लोक भाषाओं का संरक्षण, पोषण तथा संवर्द्धन होगा।	3 वर्ष
30.	103–पुरातत्व विज्ञान 0101–पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 का कार्यान्वयन (75 प्रतिशत के0स0)	राज्य स्तर पर पुरावशेषों की खोज, सूचीकरण, वर्गीकरण हेतु पुरावशेष शिविरों का आयोजन तथा उनके अभिलेखीकरण व छायांकन तथा पंजीकरण का कार्य करना।	1076		–	अधिष्ठान व्यय	–	1 वर्ष	भावी पीढ़ी को अपने अतीत के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी।	1 वर्ष
31.	103–पुरातत्व विज्ञान 03–पुरातत्व अधिष्ठान	प्रदेश के संरक्षित एवं संरक्षणाधीन स्मारक एवं स्थलों को संरक्षण की दृष्टि से जीर्णोद्धार कर मूल स्वरूप प्रदान करना तथा उनकी सुरक्षा करना।	18419		–	1–अधिष्ठान व्यय नियमित–20 आउटसोर्स– 5 2– 10 पुरातात्विक स्थलों का रख–रखाव एवं जीर्णोद्धार।	–	1 वर्ष	ऐतिहासिक धरोहरों के मूल स्वरूप को बनाये रखना।	2 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
32.	104–अभिलेखागार 03–राज्य अभिलेख	जनसामान्य के व्यक्तिगत अधिकार में तथा शासकीय कार्यों से अभिलेखों, दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों का स्थानान्तरण तथा विभाग के पास उपलब्ध ऐतिहासिक अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संरक्षित किये जाने हेतु आवश्यक मरम्मत, वाष्पीकरण तथा माइक्रोफिल्मिंग आदि कार्य सम्पादित करना।	17097		–	अधिष्ठान व्यय नियमित–15 आउटसोर्स–9	–	1 वर्ष	शोधार्थियों एवं भावी पीढ़ी को प्राचीन अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने हेतु संरक्षित करना।	2 वर्ष
33.	107–संग्रहालय 03–अधिष्ठान व्यय	यत्र–तत्र बिखरे पुरावशेषों को सर्वेक्षण द्वारा एकत्रित करने के साथ–साथ आम जनमानस के नियंत्रण में उपलब्ध ऐतिहासिक वस्तुओं को क्रय कर संरक्षित एवं प्रदर्शित करना।	14556		–	अधिष्ठान व्यय सर्वेक्षण/ संरक्षण/ प्रदर्शन	–	1 वर्ष	शोध छात्रों एवं आगन्तुकों हेतु पुरावशेषों एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं उपलब्ध होंगी।	1 वर्ष
34.	03–संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण	आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक परिसर आदि के निर्माण का मुख्य उद्देश्य आधुनिक कला, कलाकृतियां, प्रस्तर प्रतिमाओं, प्राचीन सिक्कों, प्राचीन आभूषणों का प्रदर्शन।		20000	–	03	–	3 वर्ष	पर्यटकों एवं आम जनमानस हेतु कलाकृतियों, प्रस्तर प्रतिमाओं, प्राचीन सिक्कों, प्राचीन आभूषणों का संरक्षण।	5 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
35.	04–महान विभूतियों की मूर्तियां/शहीद स्मारक का निर्माण	महान विभूतियों की चिर स्मृति को संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं मूर्ति स्थापना।		27100	–	6	5	2 वर्ष	भावी पीढ़ी को महान विभूतियों की जानकारी प्राप्त होगी।	3 वर्ष
36.	05–नेहरू हेरिटेज सेन्टर	नेहरू जी की स्मृतियों को संजोए रखने के उद्देश्य से देहरादून के पुराने जेल परिसर स्थित नेहरू वार्ड को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित कर भावी पीढ़ी को परिचित कराना।		5000	–	01	01	1 वर्ष	स्वाधीनता संग्राम में नेहरू जी के योगदान उनके त्याग व जीवन आदर्शों तथा मार्गदर्शन से आमजनमान स परिचित होंगे।	2 वर्ष
37.	06–प्रेक्षागृह का निर्माण	प्रदेश के जिन जनपदों में संस्कृति विभाग की कोई भी संस्था कार्यरत अथवा संचालित नहीं है उन जनपदों में लोक कलाकारों के प्रशिक्षण एवं कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों हेतु प्रेक्षागृहों की स्थापना।		30000	–	06	06	1 वर्ष		3 वर्ष
38.	07–जागर महाविद्यालय की स्थापना	जन श्रुतियों में प्रचलित पारम्परिक व पौराणिक गाथाओं के माध्यम से ईश्वरीय आह्वाहन विधा के प्रचार–प्रसार हेतु जागर महाविद्यालय की स्थापना।		2500	–	01	01	2 वर्ष	भावी पीढ़ी के लिये जागर विधा का संकलन कर संरक्षित करना।	4 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
39.	03–सांस्कृतिक परिषद / कला केन्द / विद्याल / ऑडिटोरियम आदि का निर्माण	लोक कलाकारों के प्रशिक्षण एवं कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों हेतु प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना।		1	–	03	03	3 वर्ष	प्रदर्शन कला के लिये कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा का संरक्षण।	5 वर्ष
40.	04–हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र	हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून में राज्य स्तरीय संग्रहालय एवं राज्य स्तरीय प्रेक्षागृह का निर्माण एकीकृत रूप में उत्तराखण्ड पर्यटन परिसर गढ़ी कैंट में किया जा रहा है।		100000	–	02	02	1 वर्ष	प्रदर्शन कला के लिये कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, चित्रकारों की चित्रकलाओं को आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा को संग्रहालय के माध्यम से जनसामान्य के अवलोकनार्थ	2 वर्ष
1.	**केन्द्र पोषित** 102–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन–0102–अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु सहायता	शासकीय एवं गैर सरकारी संगठनों को अभिलेख, पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों के संरक्षण सूचीपत्र, कापियर्स, कैमरा, रीडर्स तथा भवनों के जीर्णोद्धार एवं सुधार हेतु वित्तीय सहायता दिया जाना।	1000		–	2 गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता	–	1 वर्ष	भावी पीढ़ी हेतु प्रेरणास्वरूप संरक्षण।	3 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
2.	0103–क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय सहायता	शासकीय एवं अशासकीय संग्रहालयों के व्यावसायिक विकास जिसमें वीथिकाओं की मरम्मत, जीर्णोद्धार विस्तार हेतु तथा प्रकाशन, अनुरक्षण प्रयोगशाला, संग्रहालय पुस्तकालय, यंत्र एवं अभिलेखीकरण हेतु वित्तीय सहायता दिया जाना।	1000		–	2 संग्रहालय	–	1 वर्ष	पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण एवं प्रदर्शन।	3 वर्ष
3.	0110–कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े विपन्न कलाकार तथा उनके आश्रितों को राज्यांश के रूप में रू0 500 मासिक पेंशन का भुगतान।	25		–	2 कलाकार	1 कलाकार	1 वर्ष	जीविकोपार्जन हेतु सहायता	1 वर्ष
4.	0102–क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन, स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण के अन्तर्गत ऋषिकेश में हिमालयन संग्रहालय की स्थापना	संग्रहालय में हिमालयी क्षेत्र के प्रमुख तीर्थ स्थलों की अनुकृतियां, हिमालयी क्षेत्र की पारम्परिक वेश–भूषा आभूषण, काष्ठ कला, धातु कला, कृषि यंत्र, वाद्य यंत्र आदि का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाना है।		40000	–	01	01	1 वर्ष	हिमालयी संस्कृति का संवर्द्धन, संरक्षण एवं प्रदर्शन।	3 वर्ष
5.	0103–संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण	महान विभूतियों की जयन्ती/शताब्दी समारोह के अवसर पर संग्रहालय, मूर्ति स्थापना, स्मारक आदि का निर्माण।		10000	–	01	01	1 वर्ष	स्वामी विवेकानन्द जी की चिर स्मृति को संजोये रखना।	

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
1.	**अनुदान संख्या–30** 2205–कला एवं संस्कृति– 102– कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन– 02– अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान–0201– लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेन्टेशन का कार्य	अनूसूचित जाति के कलाकारों को जो अपनी कलाओं में निपुण हैं, उनके द्वारा अपनी जाति के अन्य लाभार्थियों को कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करना एवं विशेषतया ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित पारम्परिक पर्वों और मेलों के अवसर पर कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था एवं इनका अभिलेखन कार्य।	2000		–	12 कार्यशालायें तथा 2 डाक्यूमेंटेशन	20	1 वर्ष	अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों की कला पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचेंगी।	2 वर्ष
2.	0203–अ0जा0 के व्यक्तियों के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय	अनुसूचित जाति के व्यक्ति जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होती है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।	2500		–	625 कलाकार	250	1 वर्ष	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करना तथा रोजगार परक बनाना।	2 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
3.	4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04 – कला एवं संस्कृति–800–अन्य व्यय–03–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन	अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने हेत सभागार, मिनी ऑडिटोरियम तथा संस्कृति भवन का निर्माण।		1500	–	2	2	1 वर्ष	अनुसूचित जाति के कलाकारों को उनकी कला के प्रदर्शन हेतु उचित स्थान एवं मंच उपलब्ध कराकर लोक कलाओं को जीवन्त रखना।	2 वर्ष
1.	**अनुदान संख्या–31** 2205–कला एवं संस्कृति–00–796–जनजातीय क्षेत्र उप योजना –02–जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखन, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना	जनजातीय कला एवं संस्कृति को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	3000		–	10	10	1 वर्ष	अनुसूचित जनजाति के लोक कलाकारों की कला पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचेंगी।	2 वर्ष
2.	03–पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय	अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति/ कलाकार जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होता है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।	1500		–	400 कलाकार	100	1 वर्ष	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करना तथा रोजगार परक बनाना।	1 वर्ष

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजी						
3.	4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय 04–कला और संस्कृति 800–अन्य व्यय 02–जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में सांस्कृतिक भवन/जन मिलन केन्द्र आदि का निर्माण	अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जनजाति के लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सांस्कृतिक भवन/जनमिलन केन्द्र आदि का निर्माण।		7000	–	4	2	1 वर्ष	अनुसूचित जनजाति के कलाकारों को उनकी कला के प्रदर्शन हेतु उचित स्थान एवं मंच उपलब्ध कराकर लोक कलाओं को जीवन्त रखना।	2 वर्ष
	योग–		**241254**	**243101**		–		–	–	–